Technical Bulletin
CAFRI/2025/02

कृषिवानिकी को बढ़ावा देने के लिए वैज्ञानिक सामाजिक उत्तरदायित्व पहल

Scientific Social Responsibility Initiatives for Promoting Agroforestry

भाकृअनुप-केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान
झाँसी 284003, उत्तर प्रदेश
ICAR-Central Agroforestry Research Institute
Jhansi 284003, Uttar Pradesh

तकनीकी बुलेटिन संख्या: सीएएफआरआई / 2025 / 02
Technical Bulletin No.: CAFRI/2025/02

कृषिवानिकी को बढ़ावा देने के लिए वैज्ञानिक सामाजिक उत्तरदायित्व पहल

Scientific Social Responsibility Initiatives for Promoting Agroforestry

भाकृअनुप-केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान
झाँसी 284003, उत्तर प्रदेश
ICAR-Central Agroforestry Research Institute
Jhansi 284003, Uttar Pradesh

उद्धरण:

CAFRI (2025) कृषिवानिकी को बढ़ावा देने के लिए वैज्ञानिक सामाजिक उत्तरदायित्व पहल. भाकृअनुप–केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान. झाँसी 284003, उत्तर प्रदेश; 12 पेज.

Citation:

CAFRI (2025) Scientific Social Responsibility Initiatives for Promoting Agroforestry-ICAR-Central Agroforestry Research Institute, Jhansi 284003, Uttar Pradesh; 12 pages.

तकनीकी बुलेटिन संख्या: सीएएफआरआई / 2025 / 02

Technical Bulletin No.: CAFRI/2025/02

प्रकाशन का वर्ष: 2025

Year of Publication: 2025

@ICAR-CAFRI

इस प्रकाशन के उपयोग कर्ताओं को प्रकाशक के प्रति उचित श्रेय सुनिश्चित करना होगा।

The users of this publication must ensure proper attribution to the publisher.

अस्वीकरण

दस्तावेज़ को सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध सामान्य और तकनीकी दोनों जानकारी को संकलित करके और / या वैज्ञानिक सामाजिक जिम्मेदारी व्यवस्था के तहत कृषिवानिकी के लिए ज्ञान के आधार को बनाए रखने के लिए भाकृअनुप–केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान की पहल के आधार पर अकादमिक भावना से तैयार किया गया है।

Disclaimer

The document has been prepared in academic spirit by compiling both general and technical information available in public domain and@or based on the initiatives of ICAR-Central Agroforestry Research Institute to uphold the knowledge base for agroforestry under the scientific social responsibility regime.

द्वारा प्रकाशित/Published by:

भाकृअनुप–केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान
झाँसी 284003, उत्तर प्रदेश
ICAR-Central Agroforestry Research Institute
Jhansi 284003, Uttar Pradesh

मुद्रक:
क्लासिक इंटरप्राइजेज, झाँसी 284003
7007122381, 9415113108

Printed at:
Classic Enterprises, Jhansi 284003
7007122381, 9415113108

अंतर्वस्तु/Contents

पृष्ठभूमि	1
एक वैज्ञानिक – एक उत्पाद	2
एक महीना – एक प्रयोगशाला	2
एक महीना – एक जिला	2
AMMA – कुपोषण को कम करने और अनुकूलन के लिए कृषिवानिकी	3
PAPA – कृषि भूमि में वृक्षारोपण के लिए कृषिवानिकी को बढ़ावा देना	4
नर्सरी मान्यता और गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री के लिए मानक	5

Background	6
One Scientist – One Product	7
One Month – One Lab	7
One Month – One District (OM-OD)	7
AMMA – Agroforestry for Mitigating Malnutrition and Adaptation	8
PAPA - Promoting Agroforestry for Plantation in Agricultural-lands	9
Standards for Nursery Accreditation and Quality Planting Material	10

कृषिवानिकी को बढ़ावा देने के लिए वैज्ञानिक सामाजिक उत्तरदायित्व पहल

पृष्ठभूमि

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), प्रमुख कृषि अनुसंधान एवं विकास संगठन, कृषि शिक्षा को बढ़ावा देने के अलावा, किस्मों, प्रौद्योगिकियों, प्रथाओं के पैकेज और फ्रंटलाइन विस्तार के माध्यम से भारतीय कृषि क्षेत्र को बदलने में शामिल है। इस आदेश के अनुरूप, भाकृअनुप–केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान (काफरी) ने वैज्ञानिक सामाजिक जिम्मेदारी ढांचा भी तैयार किया और अंततः देश में अनुसंधान प्रभावकारिता बढ़ाने और कृषिवानिकी को बढ़ावा देने के लिए कई पहल (चित्र 1) शुरू कीं। इसके, चलते, आईसीएआर–सीएएफआरआई, झाँसी को 2023 में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने कृषिवानिकी के लिए नोडल एजेंसी के रूप में अधिसूचित किया है।

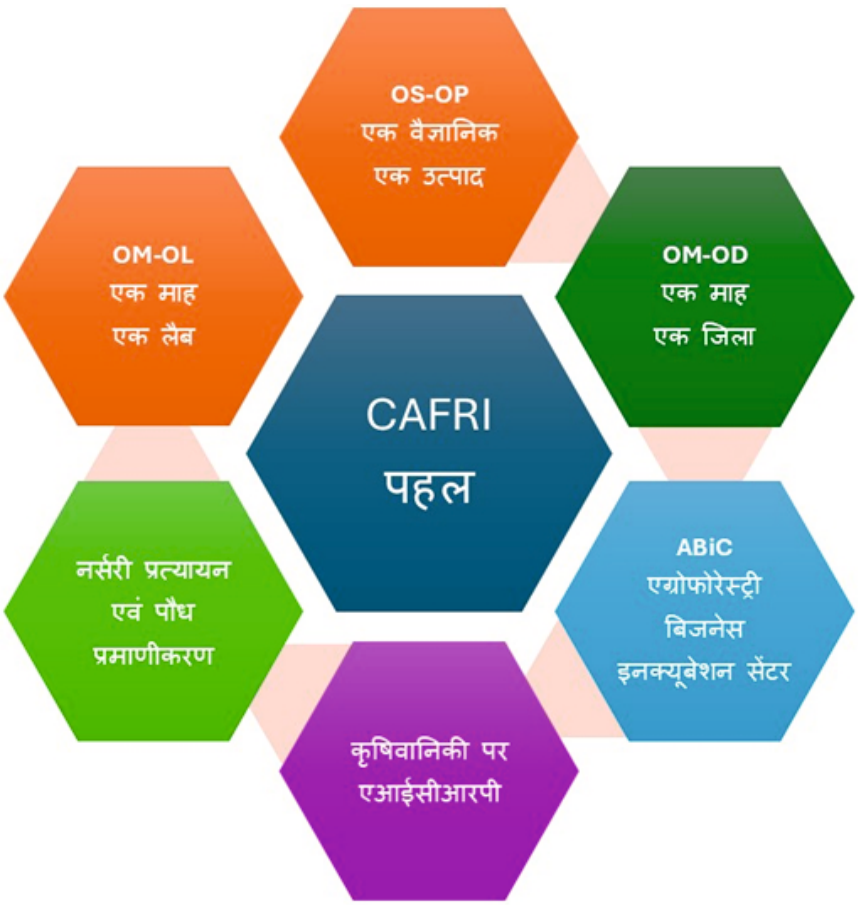

चित्र 1. कृषिवानिकी को बढ़ावा देने के लिए भाकृअनुप–काफरी की पहल

यह दस्तावेज़ देश में कृषिवानिकी में वैज्ञानिक सामाजिक जिम्मेदारी के सार को लागू करने के लिए शुरू की गई नई पहलों का विवरण देता है।

एक वैज्ञानिक – एक उत्पाद

2023–24 में, आईसीएआर ने नवीन उत्पादों, प्रौद्योगिकियों, मॉडलों, अवधारणाओं और/या प्रभावशाली प्रकाशनों के विकास की दिशा में आईसीएआर के विशाल वैज्ञानिक कार्यबल की विशेषज्ञता को प्रसारित करने के लिए अपना महत्वाकांक्षी 'एक वैज्ञानिक–एक उत्पाद' कार्यक्रम शुरू किया। लक्ष्य–उन्मुख अनुसंधान को बढ़ावा देकर, यह पहल पूरे भारत में गंभीर कृषि चुनौतियों का समाधान करने और उत्पादकता बढ़ाने का वादा करती है। इस पहल को भाकृअनुप–काफरी में कृषिवानिकी अनुसंधान एवं विकास के लिए भी अपनाया गया है। प्रत्येक वर्ष की शुरुआत में, प्रत्येक वैज्ञानिक एक विशिष्ट उत्पाद, प्रौद्योगिकी, मॉडल, अवधारणा या प्रकाशन की पहचान करेगा जो अनिवार्य रूप से उनके अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से आउटपुट होगा जिन्हें राष्ट्रीय/वैश्विक प्राथमिकताओं को संबोधित करने वाले कार्यक्रम के उद्देश्यों के साथ मैप और दस्तावेज किया गया है।

एक महीना – एक प्रयोगशाला

2024 में, भाकृअनुप–काफरी ने कृषिवानिकी क्षेत्र में हितधारकों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के उद्देश्य से एक नई पहल शुरू की। पहल का मुख्य उद्देश्य स्थानीय/क्षेत्रीय कृषि चुनौतियों और विशेष रूप से कृषिवानिकी को हल करने के लिए संस्थान की उन्नत प्रयोगशालाओं और सुविधाओं के संसाधनों का उपयोग करना और स्थायी कृषि समाधानों की खोज में हितधारकों का समर्थन करना है। इस पहल के माध्यम से, विभिन्न हितधारक, छात्र, किसान, उद्योग और व्यक्तिगत उद्यमी वैज्ञानिक संचार, प्रशिक्षण और विस्तार के माध्यम से कृषिवानिकी समाधानों को सक्षम करने के लिए काफरी की सुविधाओं तक पहुंच प्रदान कर रहे हैं।

एक महीना – एक जिला

कृषिवानिकी को बढ़ावा देने के लिए, भाकृअनुप–काफरी ने जिला स्तर पर हितधारकों के बीच कृषिवानिकी क्षेत्र में चुनौतियों और अवसरों का समाधान करने के लिए एक अग्रणी पहल, 'एक महीना–एक जिला' (ओएम–ओडी) शुरू की। ओएम–ओडी एक परिवर्तनकारी आउटरीच कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य विभिन्न जिलों में कृषिवानिकी और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देकर कृषक समुदायों की आजीविका को बढ़ाना है, जिसके तहत कृषिवानिकी विशेषज्ञ किसी दिए गए जिले का दौरा करते हैं और विशेष रूप से कृषि विज्ञान के साथ कृषिवानिकी में चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा करते हैं। केन्द्र (केवीके), वन विभाग और जिला कृषि/बागवानी विभागों के साथ परिचर्चा की जाती है। यह कार्यक्रम वैज्ञानिक नवाचारों और क्षेत्र–स्तरीय अनुप्रयोगों के बीच अंतर को पाटने के लिए एक सहयोगात्मक प्रयास का प्रतिनिधित्व करता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि अत्याधुनिक अनुसंधान सीधे ग्रामीण समुदायों को लाभ पहुंचाता है।

AMMA – कुपोषण को कम करने और अनुकूलन के लिए कृषिवानिकी

विश्व पर्यावरण दिवस, 5 जून 2024 पर, भारत के माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी ने मानव पर्यावरण पर 1972 के स्टॉकहोम सम्मेलन के उद्घाटन दिवस को मनाने के लिए 'एक पेड़ माँ के नाम' ('माँ के लिए एक पेड़') अभियान शुरू किया। इस अवसर पर, भाकृअनुप–केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी ने सीएएफआरआई झाँसी के "अम्मा" मॉडल के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में कृषिवानिकी को बढ़ावा देने के लिए "अम्माः कुपोषण और अनुकूलन को कम करने के लिए कृषिवानिकी" की शुरुआत की है। इस मॉडल में (चित्र 2), संस्थान के कर्मचारियों ने अपनी मां के नाम पर संस्थान के अनुसंधान फार्म में एक पेड़ लगाकर एएमएमए पहल के सार को लागू करना शुरू किया। इसी तरह, किसानों, कृषक महिलाओं और ग्रामीण युवाओं ने अपनी माँ के नाम पर अपने खेतों और मेड़ों पर पेड़ लगाए। ये पेड़ पोषण के लिए विविध खाद्य फसलों (आंवला, कटहल, जामुन, महुआ, अनार, केला, अमरूद, कस्टर्ड सेब, आम, पपीता, वुड एप्पल, सहजन, ड्रैगन फ्रूट, साइट्रस, सागौन, शीशम, महोगनी, मनीला इमली आदि) पर प्रमुखता से निर्भर हैं।), साल भर की आय का प्रावधान और लचीलापन बढ़ाना। यह परिकल्पना की गई है कि ''अम्मा'' मॉडल पौधों की प्रजातियों की देखभाल, संरक्षण और संरक्षण के लिए बहुत प्रभावी होगा और भूमि बहाली और सूखे के लचीलेपन के लिए पोषण और समाधान प्रदान करके एसडीजी के कुछ लक्ष्यों को पूरा करेगा।

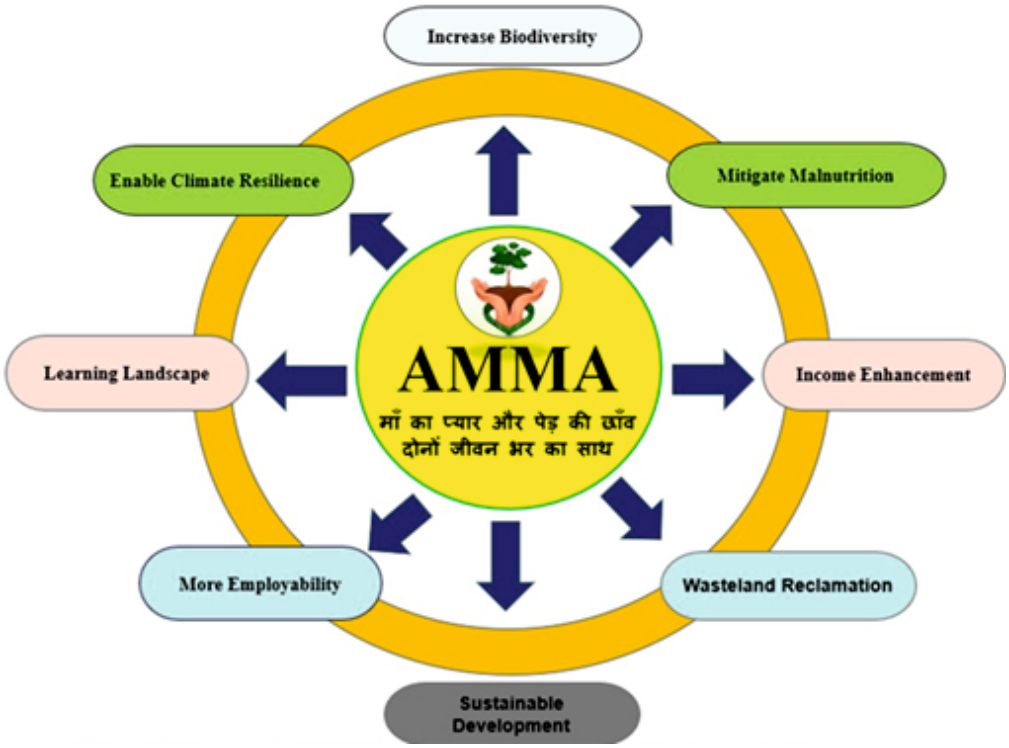

चित्र 2. AMMA पहल के माध्यम से प्राप्त होने वाले लाभ

PAPA – कृषि भूमि में वृक्षारोपण के लिए कृषिवानिकी को बढ़ावा देना

भाकृअनुप–काफरी ने विश्व पर्यावरण दिवस 2024 की पूर्व संध्या पर कृषिवानिकी को बढ़ावा देने के लिए अभिनव "PAPA: कृषि–भूमि में वृक्षारोपण के लिए कृषिवानिकी को बढ़ावा देना" लॉन्च किया। PAPA मॉडल से प्राप्त होने वाले लाभ चित्र 3 में दिए गए हैं। भाकृअनुप–काफरी की विभिन्न नई पहल जैसे ओएमओएल (वन मंथ वन लैब), ओएमओडी (वन मंथ वन डिस्ट्रिक्ट), और अन्य आईसीएआर समर्थित योजनाएं जैसे एमजीएमजी (मेरा गाँव–मेरा गौरव), टीएसपी (ट्राइबल सब–प्लान) और एससीएसपी (शेड्यूल कास्ट सब प्लान) और एग्रोफोरेस्ट्री पर एआईसीआरपी किसानों की भलाई के लिए और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं का उपयोग करने के लिए भारत में पीएपीए मॉडल के माध्यम से कृषिवानिकी को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। किसानों, कृषक महिलाओं और ग्रामीण युवाओं जैसे कृषिवानिकी राजदूतों को अपने पिता के नाम पर अपने खेतों, खेतों और मेड़ों पर पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया जाता है। प्रचारित बहुउद्देशीय वृक्ष प्रजातियों में आंवला, केला, अमरूद, कस्टर्ड सेब, कटहल, जामुन, महुआ, अनार, आम, पपीता, वुड एप्पल, ड्रमस्टिक, ड्रैगन फ्रूट, साइट्रस एसपीपी, सागौन, शीशम, महोगनी, मनीला इमली, मालाबार नीम और चंदन शामिल हैं।

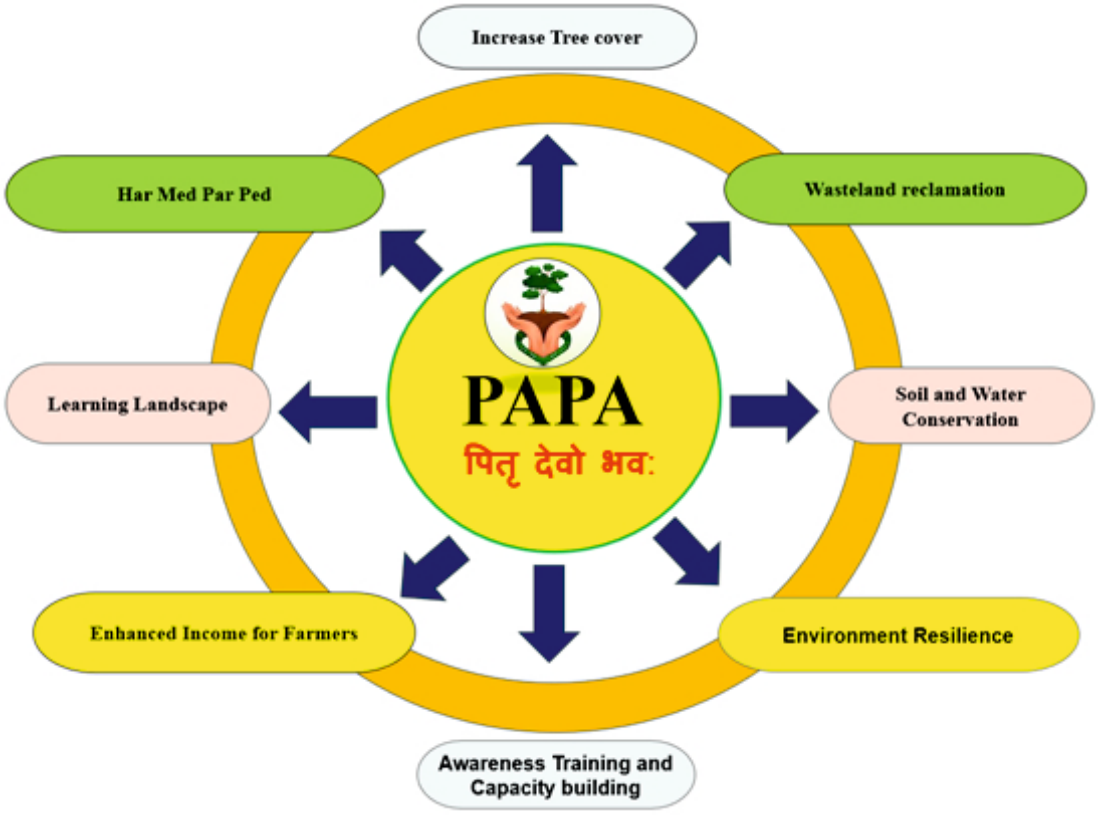

चित्र 3. PAPA पहल के माध्यम से प्राप्त होने वाले लाभ

नर्सरी मान्यता और गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री के लिए मानक

वृक्षारोपण की सफलता सुनिश्चित करने के साथ–साथ कृषिवानिकी को बढ़ाने के लिए उत्पादन और गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री (क्यूपीएम) तक पहुंच महत्वपूर्ण मानदंड हैं। राष्ट्रीय कृषिवानिकी नीति (2014) में इस पर जोर दिया गया है और रोपण के सभी स्तरों पर क्यूपीएम सुनिश्चित करने के लिए दिशानिर्देश लाने के लिए कदम उठाए गए हैं। इस संदर्भ में, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने भाकृअनुप–केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान (काफरी), झाँसी को देश में कृषिवानिकी के लिए नोडल एजेंसी के रूप में अधिसूचित किया है। काफरी कई बहुउद्देशीय पेड़ों के लिए गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री के उत्पादन में शामिल रहा है जिनका मुख्य रूप से कृषिवानिकी में उपयोग किया जाता है। बहरहाल, क्यूपीएम उत्पादन के लिए दिशानिर्देश तैयार करने में वृक्ष प्रजातियों की विविधता एक चुनौतीपूर्ण कार्य रही है। भाकृअनुप–केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान (काफरी) ने एक तकनीकी दस्तावेज – कृषिवानिकी प्रजातियों की गुणवत्ता रोपण सामग्री के लिए दिशा–निर्देश जारी किया है, जिसमें वृक्ष प्रजातियों में क्यूपीएम प्राप्त करने की दिशा बताई गई है। हालाँकि, दिशानिर्देशों को लागू करने के लिए अधिक ध्यान देने की जरूरत है। वित्तीय वर्ष 2023–24 ने क्यूपीएम के महत्व को बेंचमार्क किया और राज्यों/नर्सरी में क्यूपीएम सुनिश्चित करने के लिए कृषिवानिकी घटकों के कार्यान्वयन की दिशा में जोर दिया। इसे सक्षम करने के लिए, भाकृअनुप–केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान (काफरी) ने कृषिवानिकी नर्सरी के लिए यह मान्यता प्रोटोकॉल लाया है। यह प्रोटोकॉल किसी भी नर्सरी के मूलभूत पहलुओं पर आधारित है जो उपयोग की जाने वाली प्रसार सामग्री के आकार, प्रकृति और पसंद के बावजूद समान रहता है। इस प्रोटोकॉल में परिकल्पना की गई है कि मान्यता प्राप्त नर्सरी कुछ मानदंडों का पालन करेंगी जिनका अंततः क्यूपीएम की मूलभूत स्थापना के लिए मूल्यांकन किया जा सकता है। यह संपूर्ण प्रोटोकॉल स्वस्थ और रोग–मुक्त पौध/पौधों के इर्द–गिर्द घूमता है जिनकी वंशावली का पता नर्सरी के माध्यम से लगाया जा सकता है। योजना के लिए तकनीकी सहायता के लिए राष्ट्रीय नोडल एजेंसी होने के नाते भाकृअनुप–केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान (काफरी) ने चुनिंदा मानदंडों और संकेतकों (https://agriwelfare.gov.in/Documents/HomeWhatsNew/Nursery_accreditation_2_0.pdf) के आधार पर कृषि वानिकी नर्सरी के लिए एक मान्यता प्रोटोकॉल तैयार किया है। यह परिकल्पना की गई है कि मान्यता प्रोटोकॉल भारत सरकार की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के कृषिवानिकी घटक के सुचारू कार्यान्वयन को सक्षम करेगा।

भाकृअनुप ICAR

Agrisearch with a human touch

केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान

केकृवाअनुसं CAFRI

"कृषिवानिकीः एक जीवन दायिनी"

Scientific Social Responsibility Initiatives for Promoting Agroforestry

Background

The Indian Council of Agricultural Research (ICAR), the premier agricultural R&D organisation is involved in transforming Indian agricultural sector through varieties, technologies, package of practices and frontline extension, apart from promoting agricultural education. In line with this mandate, the ICAR-Central Agroforestry Research Institute (CAFRI) also prepared the scientific social responsibility framework and eventually launched several initiatives (Figure 1) enhance research efficacy and to promote agroforestry in the country. Notwithstanding, the ICAR-CAFRI, Jhansi has been notified as the Nodal Agency for agroforestry by the Ministry of Agriculture & Farmers' Welfare, Government of India in 2023.

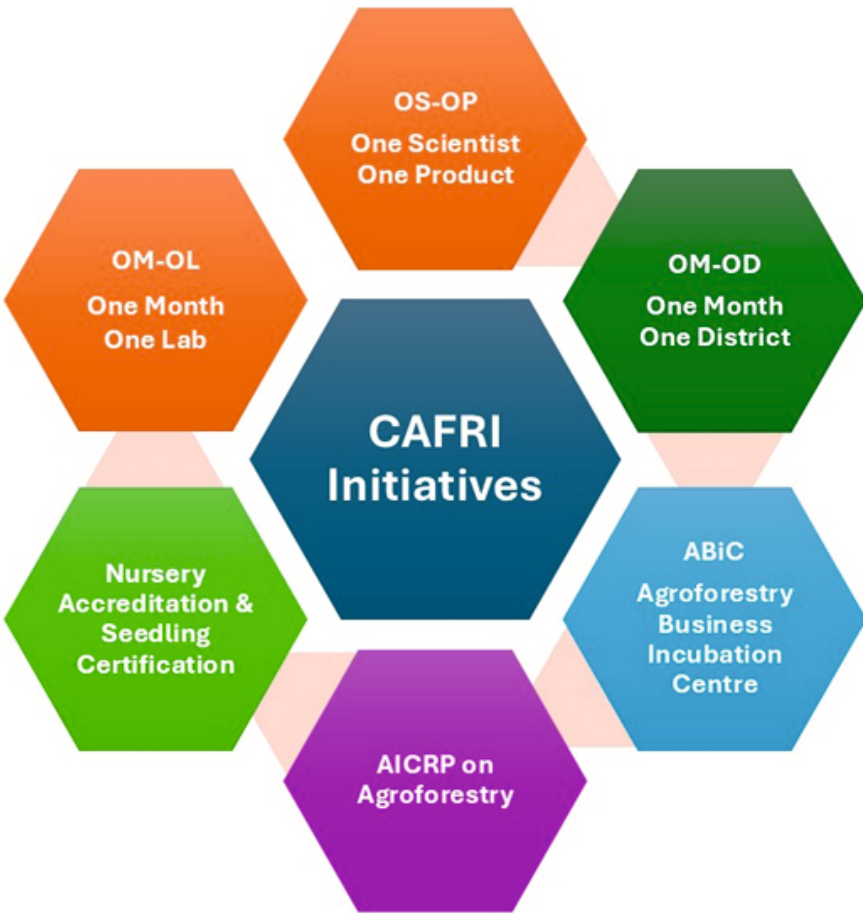

Figure 1. ICAR-CAFRI initiatives to promote agroforestry

This document briefs the new initiatives that have been launched to implement the essence of scientific social responsibility in agroforestry in the country.

One Scientist – One Product

In 2023-24, the ICAR launched its ambitious 'One Scientist-One Product' programme to channelize the expertise of ICAR's vast scientific workforce towards the development of innovative products, technologies, models, concepts and/or impactful publications. By fostering target-oriented research, this initiative promises to address pressing agricultural challenges and enhance productivity across India. This initiative has been adopted for agroforestry R&D as well at ICAR-CAFRI. At the start of each year, every scientist, will identify a specific product, technology, model, concept, or publication that essentially will be the output through their research projects that have been mapped and documented with the programme objectives addressing the national/global priorities.

One Month – One Lab

In 2024, ICAR-CAFRI launched a new initiative aimed at addressing the challenges faced by stakeholders in the agroforestry sector. The initiative's core objective is to harness the resources of the Institute's advanced laboratories and facilities to solve local/regional agricultural challenges, and agroforestry in particular, and support stakeholders in their pursuit of sustainable agricultural solutions. Through this initiative, various stakeholders viz., students, farmers, industry, and individual entrepreneurs are providing access to the facilities of CAFRI to enable agroforestry solutions through scientific communication, training and extension.

One Month – One District (OM-OD)

To promote agroforestry, ICAR-CAFRI launched a pathbreaking initiative, `One Month- One District' to address the challenges and opportunities in agroforestry sector amongst stakeholders at district level. The OM-OD is a transformative outreach program aimed at enhancing the livelihoods of farming communities through the promotion of agroforestry and sustainable agricultural practices in different districts whereby the agroforestry experts visit a given district and discuss challenges and opportunities in agroforestry, particularly with the Krishi Vigyan Kendras (KVKs), Forest Department and District Agriculture/Horticulture Departments. This program represents a collaborative effort to bridge the gap between scientific innovations and field-level applications, ensuring that cutting-edge research directly benefits rural communities.

AMMA – Agroforestry for Mitigating Malnutrition and Adaptation

On World Environment Day, the 5th June 2024, the Hon'ble Prime Minister of India, Sh. Narendra Modi launched a campaign, '*Ek Ped Maa Ke Naam*' (`One Tree for Mother') to commemorate the inaugural day of the 1972 Stockholm Conference on the Human Environment. On the occasion, ICAR-Central Agroforestry Research Institute, Jhansi has initiated "AMMA: Agroforestry for Mitigating Malnutrition and Adaptation" to promote agroforestry in rural areas through "AMMA" model of CAFRI Jhansi. In this model, employees of the Institute began to implement the essence of the AMMA initiative by planting a tree in the research farm of the institute in his/her mother's name. Likewise, the farmers, farm women, and rural youth planted trees on their farm fields and bunds in their mother's name. These trees majorly over diverse food crops for nutrition (Aonla, Jackfruit, Jamun, Mahua, Pomegranate, Banana, Guava, Custard apple, Mango, Papaya, Wood Apple, Drumstick, Dragon Fruit, Citrus, Teak, Shisham, Mahogany, Manilla Tamarind etc), provision year-round income and enhance resilience. It is envisaged that the "AMMA" model (Figure 2) will be very effective to care, conserve and protect the plant species and shall fulfill a few of the SDG goals by provisioning nutrition and solutions for land restoration and drought resilience.

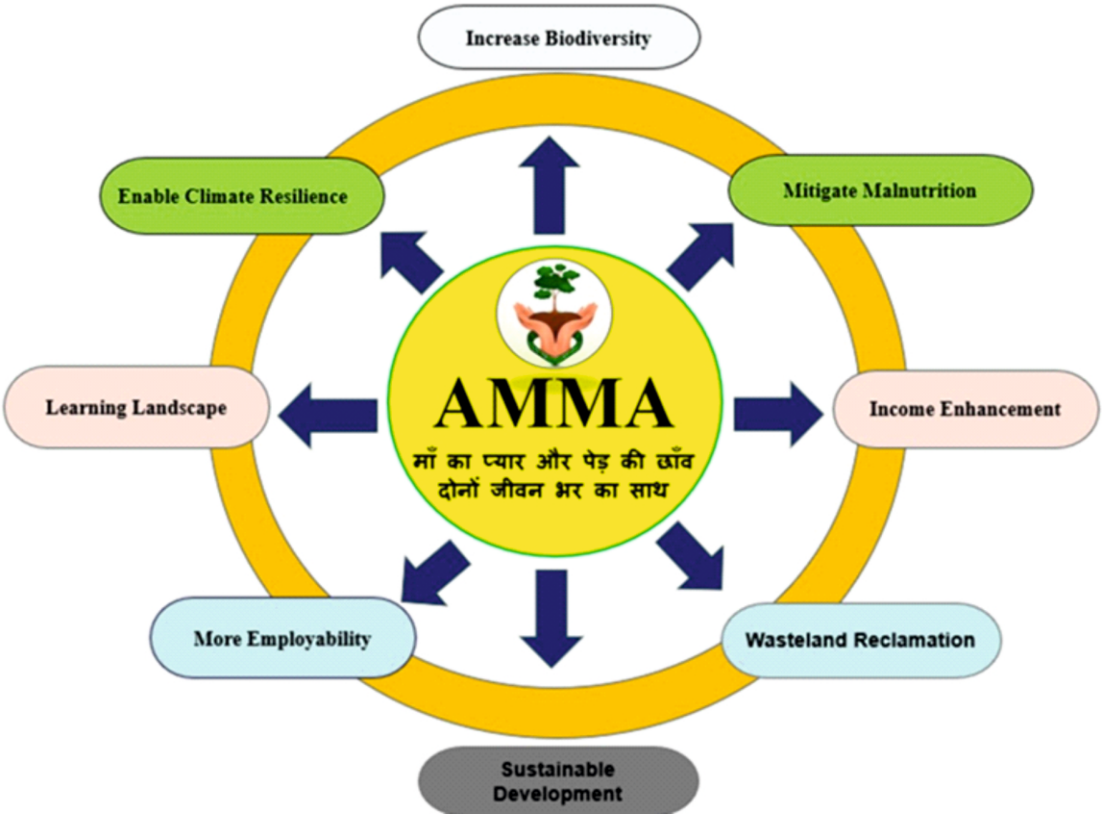

Figure 2. Benefits to accrue through AMMA initiative

PAPA - Promoting Agroforestry for Plantation in Agricultural-lands

ICAR-CAFRI launched the innovative "PAPA: Promoting Agroforestry for Plantation in Agricultural-lands" to promote agroforestry on the eve of the World Environment Day 2024. The benefits to accrue of the PAPA model are given in Figure 3. The different CAFRI new initiatives such as OMOL (One Month- One Lab), OMOD (One Month - One District), and other ICAR-supported schemes like MGMG (Mera Goan Mera Gaurav), TSP (Tribal Sub-plan) & SCSP (Schedule Caste Sub Plan) and AICRP on Agroforestry are playing a crucial role to promote agroforestry through PAPA Model in India for the betterment of the farmers and to harness the ecosystem services. Agroforestry ambassadors like farmers, farm women, and rural youth are motivated to plant trees on their farms, fields and bunds in their father's name. Multipurpose tree species promoted are namely aonla, banana, guava, custard apple, jackfruit, jamun, mahua, pomegranate, mango, papaya, wood apple, drumstick, dragon fruit, citrus spp., teak, shisham, mahogany, manilla tamarind, malabar neem, and sandal.

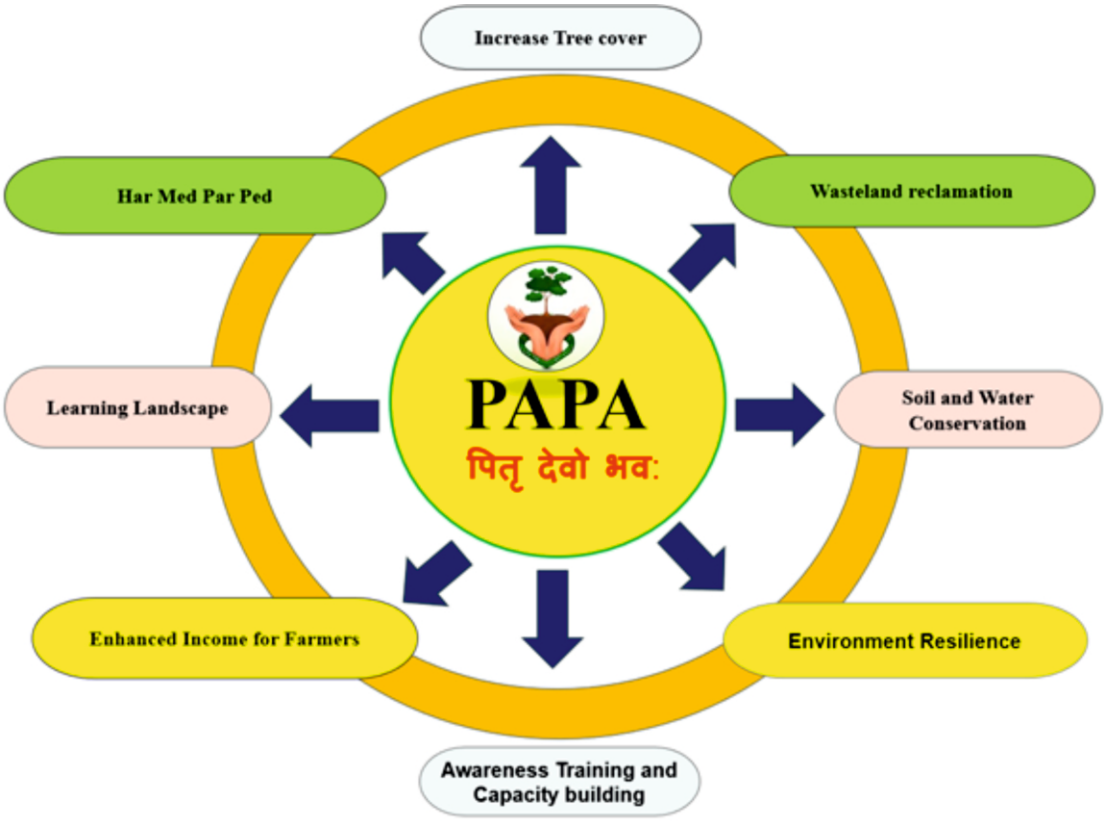

Figure 3. Benefits to accrue through PAPA initiative

Standards for Nursery Accreditation and Quality Planting Material

Production and access to quality planting material (QPM) are vital criteria for ensuring the success of plantations as well as for upscaling agroforestry. This has been emphasized in the National Agroforestry Policy (2014) and steps have been taken to bring in guidelines for ensuring QPM at all levels of planting. In this context, the Ministry of Agriculture & Farmers' Welfare, Govt. of India notified the ICAR-Central Agroforestry Research Institute (CAFRI), Jhansi as the Nodal Agency for Agroforestry in the country. The CAFRI has been involved in the production of quality planting material for several multipurpose trees that are majorly used in agroforestry. Nonetheless, the diversity of tree species has been a challenging task in formulating guidelines for QPM production. The ICAR-Central Agroforestry Research Institute (CAFRI) has brought out a technical document – Guidelines for Quality Planting Material of Agroforestry Species that has charted out the direction for achieving QPM in tree species. However, there has been little focus on implementing the guidelines. The financial year 2023-24 benchmarked the importance of QPM and asserts towards implementation of agroforestry components to ensure QPM in the States/nurseries. To enable this, the ICAR-CAFRI has brought out this accreditation protocol for agroforestry nurseries. This protocol is based on the fundamental aspects of any nursery which remains the same irrespective of size, nature and choice of propagation material used. This protocol envisages that accredited nurseries will follow certain criteria which can be eventually assessed to have the foundational establishment of QPM. This entire protocol revolves around healthy and disease-free seedlings/saplings whose pedigree can be traced through the nursery. ICAR-CAFRI being the national nodal agency for technical support for the scheme has brought out an accreditation protocol for agroforestry nurseries based on select criteria and indicators (https://agriwelfare.gov.in/Documents/HomeWhatsNew/Nursery_accreditation_2_0.pdf). It is envisaged that the accreditation protocol will enable the smooth implementation of the agroforestry component of the Rastriya Krishi Vikas Yojana (RKVY) scheme of Govt. of India.

Agrisearch with a human touch

CENTRAL AGROFORESTRY RESEARCH INSTITUTE

"AGROFORESTRY PATHWAY FOR RESTORATION OF DEGRADED LANDS"

फ्रेंकलिन एल. खोबुंग
FRANKLIN L. KHOBUNG
संयुक्त सचिव
Joint Secretary

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
Government of India
Ministry of Agriculture & Farmers Welfare
Department of Agriculture & Farmers Welfare

No 3-1/2021-NRM-SMAF

05th April,2023

To

Dr. A. Arunachalam,
Director (ICAR),
Central Agroforestry Research Institute, Gwalior Road,
Jhansi-284 003, Uttar Pradesh.
E-mail: director.cafri@icar.gov.in

As your are aware that in view of restructured scheme of AGROFORESTRY to be implemented as one of the components of *Rashtriya Krishi VikasYojana* (RKVY) for its continuation during 15th Finance Commission period from 2021-22 to 2025-26, ICAR-Central Agroforestry Research Institute (CAFRI), Jhansi has been designated as Nodal agency for providing technical support for supply of Quality Planting Material (QPM) and its certification as well as Accreditation of nurseries as given in the Operational Guidelines of Agroforestry which is as below :-

i. CAFRI shall extend support through its All India Coordinated Research Project (AICRP) centres on agroforestry situated at various locations around the country and also coordinate activities with other agencies/ institutes like ICFRE, CIFOR-ICRAF, FAO-India, SAUs, CAUs, Private Partners, etc. while facilitating the implementation of the scheme.
ii. CAFRI will ensure that all nurseries set up under the scheme comply with the registration and accreditation requirements as laid down by it
iii. Certification of QPM from accredited nurseries shall be done as per guidelines laid down by CAFRI in association with empaneled agencies/experts.
iv. CAFRI shall provide the standards and modalities for Registration, Certification and Accreditation of Nurseries as well as Certification of QPM from such Registered/Accredited nurseries.
v. ICAR-CAFRI will act as Nodal Agency for repository of agroforestry related works with a preamble note to states for providing all related information to CAFRI.
vi. CAFRI may undertake project-based activities including transfer of agroforestry technology in various agro-climatic zones, business incubation and training to stakeholders.

2. In view of above, it is requested that CAFRI as the nodal agency may coordinate with the implementing agencies of the States/UTs in providing technical support while implementing the scheme. As the main thrust of the scheme is on supply of QPM, it is important that the nurseries set up by the States/UTs under the scheme conform to the quality standards prescribed by CAFRI and the nurseries developed under the scheme are registered/accredited and the seedlings produced are certified for QPM standards.

3. Further, ICAR-CAFRI as Nodal Agency for repository of all agroforestry related works may coordinate with the State/UT Governments for obtaining necessary information related to the subject.

Yours faithfully,

(Franklin L Khobung)

Copy to:-

The Pr. Secretary/ Commissioner D/o of Agriculture (All States/UTs).

Office : Krishi Bhawan, New Delhi-110001, दूरभाष / Phone : 23382508
E-mail : franklin.l@nic.in

कृषि एवं किसान
कल्याण मंत्रालय
MINISTRY OF
AGRICULTURE AND
FARMERS WELFARE

सत्यमेव जयते

Accreditation Protocol for Agroforestry Nurseries

ICAR-Central Agroforestry Research Institute
Jhansi 284003, Uttar Pradesh

UNITED NATIONS DECADE ON
ECOSYSTEM
RESTORATION
2021-2030

Swachh Bharat Abhiyan
स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

Published by
Director
ICAR-Central Agroforestry Research Institute
Near Pahuj Dam, Gwalior Road,
Jhansi 284003, Uttar Pradesh, India

+91-510-2730214
director.cafri@icar.gov.in
https://cafri.icar.gov.in
@IcarCafri
@ICAR-CAFRI JHANSI
@icar.cafri
@ICAR-CAFRI.jhansi
@icar.cafrijhansi2384